ज्ञापांक–...09.../एन0जी0ओ0,
महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, झारखंड, राँची।
राँची, दिनांक– 06 .01.2020

सेवा में,

सभी अपर पुलिस महानिदेशक (रेल सहित)।
सभी पुलिस महानिरीक्षक (रेल सहित)।
सभी पुलिस उप–महानिरीक्षक (रेल सहित)।
सभी वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक (रेल सहित),
झारखंड।

विषयः– **पुलिस प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के संबंध में।**

विगत कुछ महीनों में मैंने झारखंड पुलिस से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सेवारत पदाधिकारीगण तथा सेवानिवृत पदाधिकारीगणों से औपचारिक तथा अनौपचारिक बैठक की है। बैठक में हुए वार्ता के कम में दो बिन्दु अत्यन्त चिन्ताजनक हैं। सर्वप्रथम पुलिस प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की व्यवस्था का समाप्त हो जाना तथा दूसरा जिला पुलिस लाईन में पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति तथा परेड इत्यादि का नगण्य हो जाना। इन दोनों कारणों से जिला स्तर पर पुलिस संगठन खोखले होते जा रहे हैं।

सरकार के वैसे उपकम तथा संस्थाएँ जहाँ बड़ी तादाद में कर्मी काम करते हैं, वहाँ वार्षिक निरीक्षण अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। इसलिए संबंधित विभाग के वरीयतम पदाधिकारी भी इसे अत्यन्त गंभीरता से लेते हैं। मैंने स्वयं रेलवे में, केन्द्रीय बल तथा भारतीय सेना में वार्षिक निरीक्षण की गंभीरता को देखा है। इन निरीक्षणों की बदौलत ही अनुशासन तथा प्रशासन सुचारू रूप से चलता है तथा विभिन्न संचिकाएँ भी अद्यतन रहती हैं, जो संगठन को मजबूत करती है। वर्तमान में मेरे व्यक्तिगत अनुभव तथा वरीय पदाधिकारियों के सुझावों को देखते हुए मैंने यह निर्णय लिया है कि थाना, पुलिस निरीक्षक, अनुमंडल तथा पुलिस अधीक्षकों के कार्यालयों के निरीक्षण की मृतप्राय व्यवस्था को पूर्णरूपेन जागृत करना है। नक्सल अभियान अथवा अपराध नियंत्रण के नाम पर व्यस्तता दिखाकर निरीक्षणों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। अगर हम निरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण बिन्दु की अनदेखी करते रहे तो आने वाले वर्षों में एक खोखली पुलिस व्यवस्था नयी पीढ़ी को विरासत में मिलेगी।

हमारे अनुरोध पर अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) श्री अनिल पाल्टा ने पुलिस मैनुअल, पुलिस आदेश, उत्कृष्ट निरीक्षण टिप्पणियों के अध्ययन के पश्चात् विभिन्न संस्थानों के निरीक्षण टिप्पणियों का सारांश बनाया है। इन निरीक्षण निर्देशों में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बदलते हुए आपराधिक गतिविधियों तथा आई0टी0 के युग में कई रजिस्टरों की उपयोगिता की समाप्ति को भी ध्यान में रखा गया है।

श्री पाल्टा के कड़े परिश्रम से तैयार किये गये निरीक्षण संबंधी विस्तृत निर्देश सभी पदाधिकारियों को प्रेषित किये जा रहे हैं। आगामी आहूत पुलिस अधीक्षकों की बैठक में इन निर्देशों पर भी चर्चा की जाएगी। तदोपरान्त इसे कार्यान्वित करने हेतु पुलिस मुख्यालय से आदेश निर्गत किया जाएगा।

अनुलग्नक:-A,B,C.

6/1/20

(कमल नयन चौबे)
महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक,
झारखंड, रॉची।